AMRITA VIDYALAYAM

ANNUAL EXAMINATION 2018 -'19

Class : IX **Marks : 80**
Time : 3 hrs

हिन्दी

निर्देश:
1. इस प्रश्न पत्र के चार खंड हैं क, ख, ग, और घ।
2. चारों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।
3. यथासंभव प्रत्येक खंड के उत्तर क्रमश: दीजिए।

खण्ड – क

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए।

शीलयुक्त व्यवहार मनुष्य की प्रकृति और व्यक्तित्व को उद्घाटित करता है। उत्तम, प्रशंसनीय और पवित्र आचरण ही शील है। शीलयुक्त व्यवहार प्रत्येक व्यक्ति के लिए हितकर है। इससे मनुष्य की ख्याति बढ़ती है। शीलवान व्यक्ति सबका हृदय जीत लेता है। शीलयुक्त व्यवहार से कटुता दूर भगाती है। इससे आशंका और संदेह की स्थितियाँ कभी उत्पन्न नहीं होती। इससे ऐसे सुखद वातावरण का सृजन होता है। जिसमे सभी प्रसन्नता का अनुभव करते हैं। शीलवान व्यक्ति अपने संपर्क में आनेवाले सभी लोगों को सुप्रभावित करता है। शील इतना प्रभुत्वपूर्ण होता है कि किसी कार्य के बिगड़ने की नौबत नहीं आती।

अधिकारी – अधीनस्थ, शिक्षक – शिक्षार्थी, छोटों – बड़ों आदि सभी के लिए शीलयुक्त व्यवहार समान रूप से आवश्यक हैं। शिक्षार्थी में यदि शील का अभाव हैं तो वह अपने शिक्षक से वांछित शिक्षा प्राप्त नहीं कर सकता। शीलवान अधिकारी या कर्मचारी में आत्मविश्वास की वृद्धि स्वत: ही होने लगती है और साथ ही उनके व्यक्तित्व में शालीनता आ जाती है। इस अमूल्य गुण की उपस्थिति में अधिकारी वर्ग और अधीनस्थ कर्मचारियों के बीच, शिक्षकगण और विद्यार्थियों के बीच तथा शासक और शासित के बीच मधुर एवं प्रगाढ़ संबंध स्थापित होता है और प्रत्येक वर्ग की कार्यकुशलता में वृद्धि होती है। इस गुण के माध्यम से छोटे-से-छोटा व्यक्ति बड़ों की सहानुभूति अर्जित कर लेता है।

शील कोई दुर्लभ और दैवी गुण नहीं है। इस गुण को अर्जित किया जा सकता है। पारिवारिक संस्कार इस गुण को विकसित और विस्तारित करने में बहुत बड़ी भूमिका अदा करता है। मूल भूमिका तो व्यक्ति स्वयं अदा करता है। चिंतन, मनन, सत्संगति, स्वाध्याय और सतत अभ्यास से इस गुण की सुरक्षा और इसका विकास होता है।

क. शीलयुक्त व्यवहार की क्या विशेषता है? **2**

ख. शीलवान व्यक्ति की क्या विशेषता होती है? **2**

ग. किस – किस के लिए शीलयुक्त व्यवहार समान रूप से आवश्यक है? **2**

घ. शालीनता जैसे गुण की उपस्थिति के क्या फायदा है? **2**

ङ. शील को विकसित और विस्तारित करने में सबसे बड़ी भूमिका कौन अदा करता है? **1**

2. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए। 6

मैं मज़दूर, मुझे देवों की बस्ती से क्या?
अगणित बार धरा पर मैंने स्वर्ग बनाए।
अंबर पर जितने तारे, उतने वर्षों से,
मेरे पुरखों ने धरती का रूप सँवारा।
धरती को सुन्दरतम करने की ममता में,
बिता चुका है कई पीढ़ियाँ वंश हमारा।
और अभी आगे आनेवाली सदियों में,
मेरे वंशज धरती का उद्धार करेंगे।
इस प्यासी धरती के हित मैं ही लाया था।
हिमगिरि चीर, सुखद गंगा की निर्मल धारा।
मैंने रेगिस्तानों की रेती धो – धोकर,
वंध्या धरती पर भी स्वर्णिम पुष्प खिलाए।

क. धरती पर मज़दूर स्वर्ग कैसे बनाता है?

ख. भविष्य के निर्माण में मज़दूर अपनी क्या भूमिका देखता है?

ग. गंगा की चर्चा मज़दूर गर्व के साथ क्यों करता है?

खण्ड – ख

3. निम्नलिखित शब्दों का वर्ण – विच्छेद कीजिए। 2

सत्याग्रह, यथार्थ

4. निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर अनुस्वार का प्रयोग करते हुए मानक रूप लिखिए। 1

सश्लेषण, धुरधर

5. निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थान पर अनुनासिक चिह्नों का प्रयोग कीजिए। 1

जलियावाला, खुतबाख्वा

6. निम्नलिखित शब्दों में उचित स्थानों पर नुक्ता का प्रयोग करके शब्द पुनः लिखिए। 1

मुफलिस, खरबूजो

7. निम्नलिखित शब्दों में से मूल शब्दों व प्रयुक्त प्रत्ययों को अलग – अलग करके लिखिए। 1

बैठक, मज़हबी

8. निम्नलिखित शब्दों में से मूल शब्दों व प्रयुक्त उपसर्गों को अलग – अलग करके लिखिए। **1**

पुनर्जीवन, प्रपचं

9. दिए गए उपसर्ग और प्रत्यय से एक – एक शब्द बनाइए। **1**

सम् (उपसर्ग), आव (प्रत्यय)

10. संधि कीजिए। **2**

प्रति + उत्तर, नौ + इका, अनु + उदित, नर + इंद्र

11. संधि विच्छेद कीजिए। **2**

अत्यंत, भावुक, महौषध, भोजनालय

12. निम्नलिखित वाक्य में उचित विराम चिह्न का प्रयोग कीजिए। **3**

तुम लौट जाओ अतिथि इसी में तुम्हारा देवत्व सुरक्षित रहेगा यह मनुष्य अपनीवाली पर उतरे उसके पूर्व तुम लौट जाओ

खण्ड – ग

13. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

क. महादेव जी के किन गुणों ने उन्हें सबका लाडला बना दिया था? **2**

ख. उपनेता प्रेमचंद ने किन स्थितियों से अवगत कराया? **2**

ग. लडके की मृत्यु के दूसरे ही दिन बुढ़िया खरबूजे बेचने क्यों चल पड़ी? **1**

14. 'धर्म की आड़' पाठ में लेखक ने सच्चा धर्म किसे बताया है? 'धन की मार तथा बुद्धि की मार' के माध्यम से लेखक क्या कहना चाहता है? **5**

अथवा

'कीचड़ का काव्य' पाठ का संदेश अपने शब्दों में लिखिए।

15. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

क. नए बस्ते इलाके में कवि रास्ता क्यों भूल जाता है? **2**

ख. आदमी की प्रवृत्तियों का उल्लेख कीजिए। **2**

ग. रहीम ने सागर की अपेक्षा पंक जल को धन्य क्यों कहा है? **1**

16. 'खुशबू रचते हैं हाथ' कविता से क्या संदेश मिलता है? **5**

अथवा

'अग्नि पथ' कविता में निहित संदेश अपने शब्दों में लिखिए।

17. 'हामिद खाँ' पाठ हमें किन मूल्यों की सीख देता है? **5**

अथवा

'दिये जल उठे' पाठ के आधार पर गाँधीजी की चारित्रिक दृढ़ता का परिचय दीजिए।

खण्ड – घ

18. लिम्नलिखित में से किसी एक विषय पर 80 से 100 शब्दों में

अनुच्छेद लिखिए। **5**

क. प्रकृति प्रेम
- प्रकृति ईश्वर का वरदान।
- विज्ञान प्रकृति के लिए अभिशाप।
- प्राकृतिक असंतुलन के परिणाम।
- प्रकृति की ओर मुड़कर इसे बचाना।

ख. विज्ञान और हमारा जीवन।
- विज्ञान का महत्व।
- भौतिक क्षेत्र में विज्ञान।
- चिकित्सा के क्षेत्र में विज्ञान।
- उपसंहार।

ग. दया धर्म का मूल है।
- संसार के हर धर्म में दया और करुणा पर बल।
- परोपकार की भावना ही सबसे बड़ी मनुष्यता।
- कुछ दयालू महापुरुषों के उदाहरण।
- उपसंहार।

19. अपने मित्र को पत्र लिखकर ग्रीष्मावकाश अपने साथ बिताने का निमंत्रण दीजिए। **5**

अथवा

अपने छोटे भाई को सदाचार के महत्त्व पर एक पत्र लिखिए।

20. पर्यावरण के महत्त्वपूर्ण होने की चर्चा करते हुए पिता – पुत्र का संवाद लगभग 50 शब्दों में लिखिए। **5**

21. आप अपने किसी काल्पनिक उत्पाद के लिए सजावटी विज्ञापन तैयार कीजिए। **5**

22. दिए गए चित्र को ध्यान से देखकर मन में उभरे विचारों को अपनी भाषा में लगभग 20 – 30 शब्दों में प्रस्तुत कीजिए। विचारों का वर्णन स्पष्ट रूप में चित्र से ही संबद्ध होना चाहिए।5